दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2018–19 दिनांक : 12.02.2019

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 12.02.2019 को महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी आचार्य मध्यकालीन इतिहास एवं अध्यक्ष क्रीड़ा परिषद, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि खेल का विषय और उसका स्वरूप बहुआयामी है तथा समाज का जीवन दर्शन खेल की दुनिया पर ही निर्भर है और आज खेल तो भारत में एक उद्योग का स्वरूप लेता जा रहा है। जो खेल की दुनिया के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होने महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास तथा पचासवें वर्ष की स्वर्णजयंती के अवसर पर महाविद्यालय परिवार को धन्यबाद और बधाई देते हुए महाविद्यालय को खेल के स्वरूप को और विकसित करने के लिए अधिकाधिक सुविधा प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह ने कहा कि खेल की दुनिया एक ऐसी दुनिया है जिसमें कोई स्थायी प्रतिद्वन्दी नहीं होता। बल्कि हर प्रतियोगी एक सच्चे साथी के रूप में भी प्रदर्शन करता है। क्योंकि खिलाड़ी की सोच सामाजिक सोच से अलग होती है तथा खिलाड़ी का कोई जाति या धर्म नहीं होता। वह केवल खेल को ही प्रतिमान मानता है। और सच्चा खिलाड़ी वही होता जो हार जीत की भावना से उपर उठकर केवल खेल को ही अपना आदर्श मानता है। उन्होने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय क्रीड़ा परिषद के प्रभारी डॉ. श्रीभगवान सिंह ने आगत अतिथियों का स्मृति चिन्ह और उत्तरीय प्रदान कर स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ाधीक्षक श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने किया तथा समस्त प्रतिभागियों की ओर से बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा संजू ने शपथ ग्रहण किया। अतिथियों के समक्ष ही महाविद्यालय के ताइक्वाडों टीम ने विभिन्न प्रकार के करतब दिखाकर उन्हे सम्मानित किया।

आभार ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा खेल में केवल में जीत की भावना नहीं बल्कि सीख की भावना भी होती है। हार–जीत से उपर उठकर एक खिलाड़ी अपने जीत की बुनियाद तैयार करता है।

उक्त अवसर पर डॉ. आर.पी. चन्द, डॉ. रघुनाथ चन्द, बसन्त सिंह, श्री मनोज चन्द, प्रसून मल्ल सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कल के कार्यक्रम– 13 फरवरी 2019 समापन समारोह अपराह्न 02.30 बजे,
मुख्य अतिथि– श्री रणविजय सिंह, पूर्व उपमुख्य परिचालन प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर
श्री प्रमथ नाथ मिश्र, सदस्य प्रबन्ध समिति, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर।

(अवधेश कुमार शुक्ल)
क्रीड़ाधीक्षक